Literacy for a Billion

Movie: Do Dil
Year: 1965

Song: Pyasi Hirani
Lyricist: Kaifi Azmi

कहाँ है तू
तू कहाँ है

आ जा ए मेरे
सपनों के राजा

प्यासी हिरनी बन बन धाए
कोई शिकारी आए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे

प्यासी हिरनी बन बन धाए
कोई शिकारी आए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे

प्यासी हिरनी बन बन धाए
ओ ...

नई नई कली खिली
चुन ले ना कोई
नई नई कली खिली
चुन ले ना कोई
ऐसी वैसी बातें दिल की
सुन ले ना कोई

नन्हा सा जिया मोरा
जाने क्या गाए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे

प्यासी हिरनी बन बन धाए
कोई शिकारी आए रे
प्यासी हिरनी बन बन धाए

ओ ...

चलते चलते रुक जाऊँ मैं
चल नहीं पाऊँ
चलते चलते रुक जाऊँ मैं
चल नहीं पाऊँ
पल पल भड़के तन में अग्नि
कैसे बुझाऊँ

लगी ना बुझे कहीं
जी को जलाए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे

प्यासी हिरनी बन बन धाए
ओ ...

इक तो मैं हूँ भोलीभाली
दूजे अकेली
इक तो मैं हूँ भोलीभाली
दूजे अकेली
ऐसे बूझी जाए मोसे
मन की पहेली

चली है हवा नई
जिया घबराए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे
प्यासी हिरनी बन बन धाए

कोई शिकारी आए रे
चोरी चोरी फंदा डाले
बाँह पकड़ ले जाए रे

प्यासी हिरनी बन बन धाए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.